

न्यायालय सहायक क्लर्क जायल जिला नागीर  
पिठासीन अधिकारी श्री सुरेश कुमार प्रथम (आर०ए०एस०)

राजस्व वाद संख्या- 117/2018

1- शुभकरनराम पुत्र गणेशराम जाति जाट निवासी अडसिंगा तहसील जायल जिला नागीर।

वनाम

- 1- रामदेवराम पुत्र गणेशराम
- 2- गणेशराम पुत्र खेमराम
- 3- रूकमादेवी पत्नी गणेशराम जातिवान जाट निवासी तहनाऊ तहसील जायल जिला नागीर।
- 4- सरकार जरिये तहसीलदार जायल जिला नागीर।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 53 व 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम  
उपस्थित अधिवक्तागण:-

- 1- अधिवक्ता श्री चन्द्राराम विडियारार वादी की ओर से।
- 2- अधिवक्ता श्री एम. आर. मालोदिया प्रतिवादी सं. 01 से 03 की ओर से।

-: निर्णय :-

दिनांक : 14.08.17

वादी वादीगण का संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि वादी व प्रतिवादीगण एक ही परिवार के सदस्य हैं वादी व प्रतिवादीगण के बड़े की पुश्तैनी भूमि मौजा खियाला के खेत खसरा नम्बर 251 रकबा 10 बीघा 16 बिस्वा, खेत खसरा नं. 770 रकबा 17 बीघा 05 बिस्वा, खेत खसरा नं. 773 रकबा 07 बीघा व मौजा अडसिंगा के खेत खसरा नं. 259 रकबा 10 बीघा, खेत खसरा नं. 564/171 रकबा 01 बीघा, खेत खसरा नं. 146 रकबा 07 बीघा 16 बिस्वा एवं खेत खसरा नं. 24 रकबा 08 बीघा 13 बिस्वा रहती चली आई है। वादी व प्रतिवादीगण आपसी सहमति व जुबानी बंटवाडा सम्बन्ध 2070 को आखातीज को कर लिया है। बंटवाडा रकम निम्न प्रकार है -

1. यह है कि वादी शुभकरनराम के हक बट कब्जाकाश्त व खातेदारी में उनके मौजा खियाला के खेत खसरा नं. 770 रकबा 17 बीघा 05 बिस्वा पूरा खेत रखा गया है।
2. प्रतिवादी सं. 01 रामदेवराम के हक बट कब्जाकाश्त व खातेदारी में उनके मौजा अडसिंगा के खेत खसरा नं. 146 रकबा 07 बीघा 16 बिस्वा पूरा खेत एवं मौजा खियाला के खेत खसरा नं. 251 रकबा 10 बीघा 16 बिस्वा पूरा खेत रखा गया है।
3. यह है कि प्रतिवादी सं. 02 व 03 गणेशराम व रूकमादेवी के शेष खेताय यथावत रखे जाते हैं।

अतः दावा पेश कर इस्तदुआ वादी है कि वाद के पैरा संख्या 02 के उप पैरा क, ख एवं ग के अनुसार डिक्री सादिर फरामाई जाये।

वाद वादी का दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को नोटिस जारी किये गये। प्रतिवादी सं. 01 से 03 की ओर से वकील श्री एम.आर. मालोदिया ने इकवाली जवाब प्रस्तुत किया।

वादी व प्रतिवादीगण सं. 01 से 03 के बीच राजीनामा एवं सहमति होने के कारण वाद में विवाधक बिन्दु तय नहीं किये गये। प्रकरण में विद्वान अधिवक्ताओं वकील वादी व वकील प्रतिवादीगण सं. 01 से 03 की बहस सुनी गई। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए वाद पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार खातेदारी घोषित की जाकर राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद हेतु तहसीलदार जायल को तहसीर जारी की जाकर वाद को निर्णित करते हुए वाद को डिक्री किये जाने का अनुरोध किया।

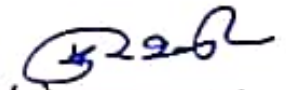
  
सहायक क्लर्क  
(एफ. बी. बी.) वायव (नागीर)

पत्रावली का अवलोकन किया गया। विद्वान अधिवक्ताओं की वहरा पर मन्नन किया गया। सभी पक्षकारों में सलीनाम एवं सहमति होने के कारण सहमति के अनुसार वादीगण का वाद निम्न प्रकार से स्वीकार कर डिक्री किया जाता है :-

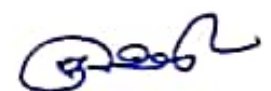
1. यह है कि वादी शुभकरणराम के हक बंट कब्जाकाशत व खातेदारी में वाके मौजा खियाला के खेत खसरा नं. 770 रकबा 17 बीघा 05 बिरवा पूरा खेत रखा गया है।
2. प्रतिवादी सं. 01 रामदेवराम के हक बंट कब्जाकाशत व खातेदारी में वाके मौजा अडरिंगा के खेत खसरा नं. 146 रकबा 07 बीघा 16 बिरवा पूरा खेत एवं मौजा खियाला के खेत खसरा नं. 251 रकबा 10 बीघा 16 बिरवा पूरा खेत रखा गया है।
3. यह है कि प्रतिवादी सं. 02 व 03 गणेशराम व रूकमादेवी के शेष खेताय यथावत रखे जाते है।

-: आदेश :-

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादी का स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है। इसी माफिक डिक्री पर्चा भरा जाकर तहसीलदार, जायल को राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहरीर जारी हो।

  
(सुरेश कुमार प्रथम)  
सहायक कलेक्टर-जायल  
सहायक  
(एच. डी. डी.) जायल (2011)

निर्णय आज दिनांक 14.08.15 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(सुरेश कुमार प्रथम)  
सहायक कलेक्टर-जायल  
(एच. डी. डी.) प्रथम जायल